International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN :2581-9925, Impact Factor: 7.555, Volume 07, No. 01(II), January- March, 2025, pp. 213-217

माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर शैक्षिक आकांक्षा स्तर के प्रभाव का अध्ययन

रेणु चौधरी*
डॉ. संजय कुमार केडिया**

सार

बालक की शिक्षा और सीखने की वृद्धि के लिए शैक्षिक आकांक्षा एक महत्वपूर्ण कारक है। यह शिक्षा में लक्ष्य प्राप्त करने की इच्छा है। उच्च स्तर की शैक्षिक आकांक्षाऐं उच्च स्तर की शैक्षिक उपलब्धि और सफलता का एक महत्वपूर्ण संकेत है। प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर शैक्षिक आकांक्षा स्तर के प्रभाव का अध्ययन किया गया है।

शब्दकोशः *माध्यमिक विद्यालय, शैक्षिक उपलब्धि, सामाजिक वातावरण, सांस्कृतिक विरासत, शिक्षा।*

प्रस्तावना

भारतीय समाज में प्राचीन काल से ही शिक्षा की महता को स्वीकार किया गया है। शिक्षा द्वारा बालक अपने आप को सामाजिक वातावरण में समायोजित करने का प्रयत्न करता है। शिक्षा ही वह आधारशिला है, जो बालक के ज्ञान का तीव्रतम एवं नवीन अवधारणाओं का निर्माण करके उनका विकास करती है।

अरस्तु – "शिक्षा की जड़े, भले कड़वी हो, इसके फल मीठे होते हैं।"

शिक्षा द्वारा ही मानव अपने आदर्शों, आकांक्षाओं, उपलब्धियाँ, परम्पराओं तथा सांस्कृतिक विरासतों को विकसित कर सकता है। औपचारिक रूप से बालक को शिक्षा विद्यालय में प्रदान की जाती है। विद्यालय ही वह स्थान है जहां पर अलग–अलग भाषा, धर्म जाति वाले बालक एक साथ समूह के रूप में अध्ययन करते हैं। शैक्षणिक प्रसार ने विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि व उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रायः यह देखा गया है कि जब विद्यार्थी उच्च शैक्षिक उपलब्धि की ओर बढ़ता है तब बालक की शैक्षिक आकांक्षा का स्तर और अधिक उच्च होता है। शैक्षिक उपलब्धि से तात्पर्य शिक्षा के क्षेत्र में प्राप्त परिणामों से होता है अर्थात विद्यार्थी द्वारा किए जाने वाली उस कक्षा की क्रिया को शैक्षिक उपलब्धि कहते हैं जो विद्यार्थी द्वारा पूरे सत्र में की जाती है तथा आकांक्षा का अभिप्राय उत्कृष्ठा से है, जिसका अर्थ बालक की आगे बढ़ने की तीव्र अभिलाषा से है। आकांक्षा का स्तर वह सीमा बताता है जिस सीमा तक बालक अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करता है। यह बालक की वह क्षमता, स्तर या योग्यता है जिससे उसकी सफलता व असफलता निर्धारित होती है।

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को कक्षा का वातावरण, पारिवारिक आकांक्षा, शैक्षिक आकांक्षा स्तर, आर्थिक स्तर, विद्यालय वातावरण, आत्मविश्वास रुचियां तथा प्रेरणा इत्यादि घटक प्रभावित करते हैं । यद्यपि इन सबके बावजूद यह ध्यान रखने की विशेष आवश्यकता है कि शैक्षिक आकांक्षा स्तर जैसे कारक किस दिशा में कार्य कर रहे हैं। उच्च स्तर की आकांक्षा विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि को अधिक प्रभावी व उच्च बनती है। आकांक्षाऐं छात्रों को उनकी उपलब्धि में सुधार करने में मदद करती है । शैक्षिक आकांक्षा स्तर विद्यार्थियों की व्यक्तिगत रुचि, क्षमता और अन्य कारणों पर निर्भर करती है। प्रस्तुत शोधपत्र में माध्यमिक विद्यालयों विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है ।

---

* शोधकर्त्री, शिक्षा विभाग, आई.आई.एस. (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर, राजस्थान।
** विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, आई.आई.एस. (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर, राजस्थान।

- **समस्या कथन** – माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर शैक्षिक आकांक्षा स्तर के प्रभाव का अध्ययन

संबंधित साहित्य का अध्ययन

चावला, एम. (2018) ने माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की उनके स्कूल के प्रकार, लिंग के संबंध में शैक्षिक आकांक्षाओं और उनकी उपलब्धि के अंकों की जांच की। निष्कर्ष में पाया गया कि माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के शैक्षणिक अंको के साथ शैक्षिक आकांक्षा में सकारात्मक और महत्वपूर्ण संबंध है। अली, एम. आई (2018) ने अपने अध्ययन में माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के बीच शैक्षिक आकांक्षा और शैक्षिक उपलब्धि के संबंध की जांच की। अध्ययन के निष्कर्षो से पता चला कि जो छात्र शहरी क्षेत्र से संबंधित है उनकी शैक्षणिक उपलब्धि और आकांक्षा ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की तुलना में महत्वपूर्ण रूप से भिन्न है और पाया गया कि छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि और शैक्षिक आकांक्षा से सकारात्मक रूप से प्रभावित होती है। पौडे, टी. एन, और महाजन, आर के (2017) ने अपने अध्ययन में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की आकांक्षा स्तर और उनकी उपलब्धि के बीच संबंध का पता लगाने की कोशिश की। शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि कम आकांक्षा वाले छात्रों की तुलना में उच्च आकांक्षा वाले छात्रों की विद्यालयी उपलब्धि उच्च स्तर की होती है तथा छात्रों की आकांक्षा और उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है।

शोध के उद्देश्य

- माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर के प्रभाव का अध्ययन करना।
- माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर के प्रभाव का अध्ययन करना।
- माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनायें

- माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
- माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
- माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि को प्रयुक्त किया गया है।

शोध के चर

- स्वतंत्र चर – शैक्षिक आकांक्षा स्तर
- आश्रित चर – शैक्षिक उपलब्धि

शोध की जनसंख्या

प्रस्तुत शोध के लिए जयपुर जिले के माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया गया है ।

शोध का न्यादर्श

जयपुर जिले के माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 9 व 10 के 480 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में सरल यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है ।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध में आंकड़ों के संग्रहण हेतु प्रमापीकृत और शैक्षिक उपलब्धि मापनी (विद्यार्थियों के गत वार्षिक परीक्षा के अंक) का प्रयोग किया गया है –

- शैक्षिक आकांक्षा स्तर मापनी – डॉ. वी.पी. शर्मा और डॉ. ए. गुप्ता
- शैक्षिक उपलब्धि मापनी – विद्यार्थियों के गत वार्षिक परीक्षा के अंक

शोध अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, सहसंबंध गुणांक (पियर्सन का गुणन –आघूर्ण विधि) का प्रयोग किया गया है ।

प्रदत्तों का विश्लेषण और व्याख्या

सारणी 1: माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का प्रभाव

चर	N	M	r
शैक्षिक उपलब्धि	480	79.19	- 0.01
शैक्षिक आकांक्षा स्तर	480	23.27	

उपर्युक्त सारणी 1 माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर के प्रभाव को प्रदर्शित करती है। उपर्युक्त सारणी के अनुसार 480 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 79.19 तथा शैक्षिक आकांक्षा स्तर का मध्यमान 23.27 है। 480 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा शैक्षिक आकांक्षा स्तर के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान –0.01 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है जो यह स्पष्ट करता है कि माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

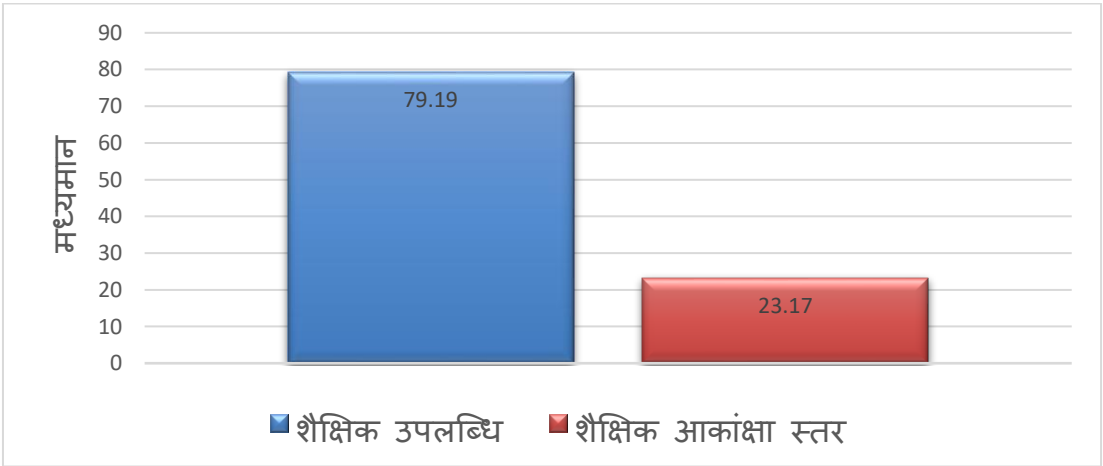

सारणी 2: माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का प्रभाव

चर	N	M	r
शैक्षिक उपलब्धि	240	77.89	0.02
शैक्षिक आकांक्षा स्तर	240	23.42	

उपर्युक्त सारणी 2 माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर के प्रभाव को निरूपित करती है। उपर्युक्त सारणी के अनुसार 240 छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 77.89 तथा शैक्षिक आकांक्षा स्तर का मध्यमान 23.42 है। 240 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा शैक्षिक आकांक्षा स्तर के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.02 प्राप्त हुआ है जो कि अतिन्यून धनात्मक श्रेणी का है जो यह स्पष्ट करता है कि माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

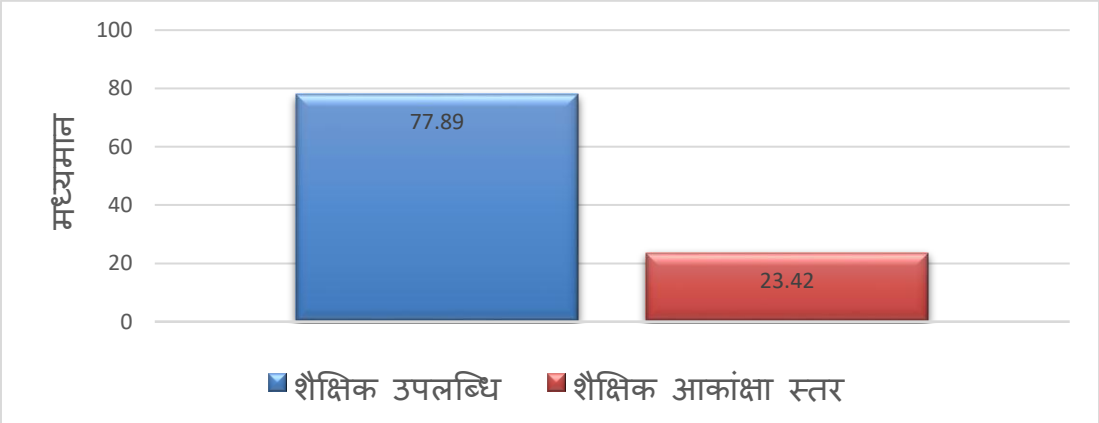

सारणी 3: माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का प्रभाव

चर	N	M	r
शैक्षिक उपलब्धि	240	80.49	- 0.02
शैक्षिक आकांक्षा स्तर	240	23.12	

उपर्युक्त सारणी 3 माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर के प्रभाव को दर्शाती है। उपर्युक्त सारणी के अनुसार 240 छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 80.49 तथा शैक्षिक आकांक्षा स्तर का मध्यमान 23.12 है। 240 छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा शैक्षिक आकांक्षा स्तर के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.02 प्राप्त हुआ है जो कि न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है जो यह स्पष्ट करता है कि माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है

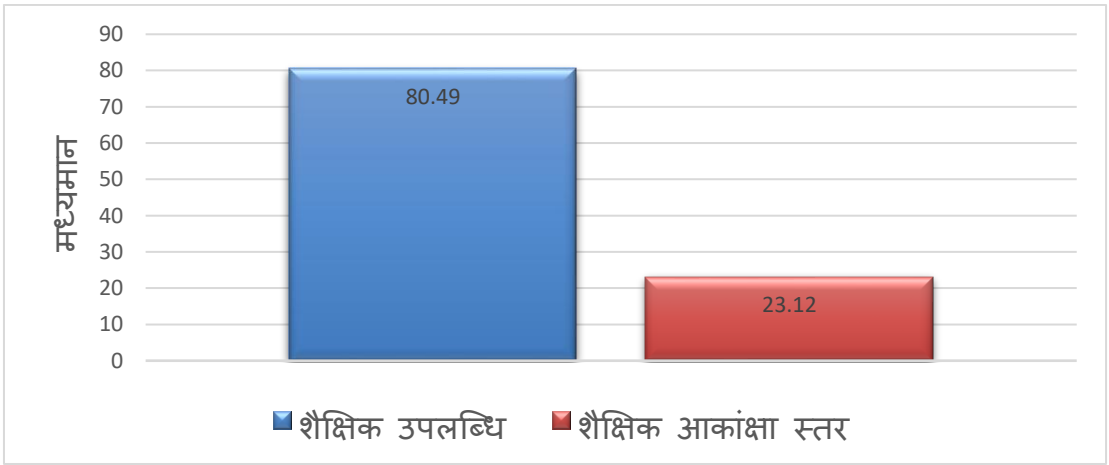

शोध के परिणाम एवं निष्कर्ष

अध्ययन से प्राप्त महत्वपूर्ण निष्कर्ष निम्नलिखित प्रकार से हैं –

- सारणी ख्या 1 से यह निष्कर्ष निकलता है कि माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।
- सारणी 2 से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।
- सारणी 3 से यह निष्कर्ष ज्ञात होता है कि माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

अतः यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर से प्रभावित नहीं होती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. आस्थाना, विपिन (2011), शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
2. बाजपेयी, डॉ. एस. आर. (2002), सामाजिक अनुसंधान तथा सर्वेक्षण, किताब घर कानपुर।
3. भटनागर, ए. बी. भटनागर, मिनाक्षी, अनुराग, (2003), एजुकेशनल साइकोलॉजी, आर. लाल बुक डिपो।
4. गुप्ता, एस. पी. (2005), उच्च शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
5. गुप्ता, एस. पी. (2006), सांख्यिकीय विधियाँ, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
6. गुप्ता, एस. पी. गुप्ता, अलका (2007), सांख्यिकीय विधियाँ, पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
7. मंगल, एस. के (2009), शिक्षा मनोविज्ञान, पी0एच0आई0 लनिंग प्राइवेट लिमिटेड प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. माथुर, एस. एस. (2009), शिक्षा मनोविज्ञान, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।
9. मिश्रा, महेन्द्र कुमार (2009), मापन एवं मूल्यांकन, अर्जुन हाउस पब्लिशिंग, नई दिल्ली।
10. Ali, M. I. (2018). Study of educational aspiration and academic achievement of senior secondary school students in relation to gender and area. ZENITH International Journal of Multidisciplinary Research, ISSN 2231-5780, 8 (4), 34-3
11. Chawla, M. (2018). A Study of Educational Aspirations of Secondary School Students in relation to their Achievement Scores. International Journal of Research in Social Sciences, 8(4).
12. Poude, T. N., & Mahajan, R. K. (2017). Association between the Level of Aspiration and Achievement of Students of Secondary Level. Journal of advanced academic research (JAAR), ISSN: 2362-1303, ISSN: 2362-1311, 55, 4(2).

❖◆❖